उत्तर प्रदेश अंतरराष्ट्रीय व्यापार शो में रूस–भारत व्यापार संवाद ने खोले सहयोग के नए द्वार

रूस की 30 कंपनियों ने दिखाई यूपी में रुचि: ग्रेटर नोएडा में B2B संवाद ने बढ़े साझेदारी के द्वार

ग्रेटर नोएडा, 26 सितंबर 2025 — इंडिया एक्सपो मार्ट, ग्रेटर नोएडा में चल रहे **उत्तर प्रदेश अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेले (UPITS) 2025** में इस वर्ष **रूस** को **पार्टनर देश** के रूप में शामिल किया गया है। उत्तर प्रदेश और रूस के बीच व्यापार बढ़ाने के उद्देश्य से, आज **रूस–भारत व्यापार संवाद** पर केंद्रित एक विशेष **बी2बी (B2B) बैठक** सफलतापूर्वक आयोजित की गई। इस सत्र की अध्यक्षता उत्तर प्रदेश सरकार के अपर मुख्य सचिव (**अवस्थापना एवं औद्योगिक विकास**) **श्री आलोक कुमार** ने की, जबकि सह-अध्यक्षता इन्वेस्ट यूपी के अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी **श्री शशांक चौधरी** ने की।

इस संवाद में 85 से अधिक कंपनियों ने भाग लिया, जिसके तहत मात्र तीन घंटे की अवधि में 240 से अधिक लक्षित B2B बैठकें संपन्न हुईं। रूस की 30 कंपनियाँ विभिन्न क्षेत्रों का प्रतिनिधित्व करते हुए भारतीय उद्यमियों के साथ व्यापार और निवेश के अवसरों पर चर्चा करने, रणनीतिक साझेदारियाँ स्थापित करने और द्विपक्षीय सहयोग को सुदृढ़ करने हेतु सक्रिय रूप से शामिल हुईं।

प्रतिनिधित्व किए गए प्रमुख क्षेत्र थे: विनिर्माण (औद्योगिक एवं इंजीनियरिंग), ऊर्जा, उपयोगिताएँ एवं अवसंरचना, एफएमसीजी, आईटी एवं डिजिटल समाधान, रसायन एवं सौंदर्य प्रसाधन, पैकेजिंग, चिकित्सा एवं चिकित्सा उपकरण, इलेक्ट्रॉनिक घटक एवं ट्रांसमिशन, खाद्य प्रसंस्करण एवं कृषि, पर्यटन, व्यापार एवं थोक वितरण, और पशुपालन।

चर्चाओं में परस्पर हित के क्षेत्रों में सहयोग की संभावनाओं पर बल दिया गया और उत्तर प्रदेश को अंतरराष्ट्रीय साझेदारियों के लिए एक गतिशील केंद्र के रूप में उभरते हुए प्रस्तुत किया गया। रूसी निवेशकों ने राज्य के विस्तारित औद्योगिक आधार, सक्रिय शासन और क्षेत्र-विशिष्ट प्रोत्साहनों में गहरी रुचि दिखाई।

यह आयोजन दोनों पक्षों की आर्थिक साझेदारी को सुदृढ़ करने और सतत विकास के नए मार्ग खोलने की प्रतिबद्धता को दोहराता है। साथ ही, यह उत्तर प्रदेश की वैश्विक निवेश सहयोग के लिए रणनीतिक स्थिति और निवेशक अनुकूल नीतियों को उजागर करता है।

रूस–भारत व्यापार संवाद ने सीमा-पार सहयोग और निवेश संवर्धन की दिशा में एक महत्वपूर्ण पड़ाव स्थापित किया है, जो भविष्य में दीर्घकालिक साझेदारियों का मार्ग प्रशस्त करेगा।